p>

Need to check the erosion caused by river Ghagra (Saryu) in Sitabadiara village the birth place of late Jayprakash Narayan in Bihar.

श्री छेदी पासवान (सासाराम) : महोदय, मुझे लोक महत्व के विषय को सदन में उठाने की अनुमति दी गयी है, जिसका स्वागत करते हुए मैं विशेष आग्रह करना चाहता हूं कि जयप्रकाश नारायण की जन्मस्थली सिताबदियारा, सारण जिला के अन्तर्गत है एवं वर्षों से घाघरा नदी के कटाव से सिताबदियारा का अस्तित्व ही विलीन होते जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा विगत पांच वर्षों से कटाव निरोधी कार्य किए जा रहे हैं, परन्तु सिताबदियारा गांव के पास घाघरा नदी कटाव करते-करते पहुंच चुकी है। कटाव उत्तर प्रदेश् की सीमा से प्रारम्भ होकर बिहार के इस भू-भाग को प्रभावित कर रहा है। जे.पी. सेनानियों द्वारा दिनांक 5.4.2015 को जे.पी. की जन्मस्थली ग्राम सिताबदियारा को घाघरा नदी से हो रहे कटाव का स्थल निरीक्षण किया गया जिसमें सारण जिला में पदस्थापित जल संसाधन विभाग के अभियन्ता भी साथ थे एवं स्थल निरीक्षण प्रतिवेदन भारत सरकार एवं बिहार सरकार को भी दिया गया था। 24 जून, 2015 को केन्द्रीय मंत्रिपरिषद द्वारा जयप्रकाश नारायण की स्मृति में उनके जन्मस्थली सिताबदियारा में राष्ट्रीय संग्रहालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। जे.पी. की जन्मस्थली में राष्ट्रीय स्तर का संग्रहालय की स्थापना के लिए सर्वप्रथम आवश्यक है कि उनकी जन्मस्थली को घाघरा नदी के कटाव से बचाया जाए क्योंकि जब गांव का अस्तित्व ही नहीं रहेगा तो राष्ट्रीय स्तर का संग्रहालय की परिकल्पना ही व्यर्थ है। अतः उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में आपसे मेरा विनम्र अनुरोध है कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जन्म स्थली सिताब दियारा को घाघरा नदी के कटाव से बचाया जाए, जिससे वहां प्रस्तावित राष्ट्रीय स्तर के संग्रहालय की स्थापना हो सके। धन्यवाद।

माननीय सभापति : श्री अश्विनी कुमार चौबे, श्री भैरो प्रसाद मिश्र, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, श्री सी.पी.जोशी, कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री रामचरण बोहरा, को श्री छेदी पासवान द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।